भा.श्री.अनु.सं.

क्रम सं. 237 जुलाई, 2023

श्री अन्न समाचार पत्र

IIMR
भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान
ICAR-Indian Institute of Millets Research
हैदराबाद * सोलापुर * वरंगल

भाकृअनुप—भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, राजेन्द्र नगर, हैदराबाद - 500 030, तेलंगाना, भारत

श्री अन्न समूह की संयुक्त वार्षिक बैठकें

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद में 10-11 जुलाई, 2023 के दौरान बाजरे पर अभासअनुप समूह की 58वीं, ज्वार पर अभासअनुप समूह की 53वीं तथा लघु श्री अन्न पर अभासअनुप समूह की 34वीं, वार्षिक बैठक संयुक्त रूप में आयोजित की गई।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता डॉ. एस के प्रधान, सहायक महानिदेशक (खाद्य एवं चारा फसल), भाकृअनुप तथा सह-अध्यक्षता डॉ. ओ पी यादव, अध्यक्ष पीएएमसी एवं निदेशक, भाकृअनुप-केशुक्षेअनुसं, जोधपुर, डॉ. पी. रघु रामी रेड्डी, अनुसंधान निदेशक, प्रोजतेराकृविवि ने की तथा संयोजक डॉ. सी. तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं थीं। डॉ. चेन्नबायरे गौड़ा, पीएएमसी के सदस्य ने भी भाग लिया। उक्त बैठक में विभिन्न राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, निजी क्षेत्र के अभिकरणों व अन्य सहयोगी संस्थानों से लगभग **300** प्रतिभागियों ने भाग लिया।

वार्षिक समूह बैठक 2023 के दौरान "मांग के बदलते परिदृश्य में श्री अन्न का क्षेत्र, उत्पादन, उत्पादकता बढ़ाना" पर विचार-मंथन सत्र

वार्षिक समूह बैठक 2023 के दौरान पहले दिन प्रथम सत्र में "मांग के बदलते परिदृश्य में श्री अन्न का क्षेत्रफल, उत्पादन, उत्पादकता बढ़ाना" पर गहन चिंतन किया गया। इस सत्र में (i) श्री अन्न की खेती एवं बाजारों की वर्तमान स्थिति, (ii) श्री अन्न में उत्पादकता, पोषण, जलवायु लचीलापन व तनाव सहनशीलता में सुधार हेतु उत्पादोन्मुख अत्याधुनिक अनुसंधान दृष्टिकोण और (iii) विभिन्न क्षेत्रों में श्री अन्न एवं उनके मूल्यवर्धित उत्पादों को उचित स्थान प्रदान करके नई माँगों का सृजन उप-विषय शामिल थे। इसमें 28 वक्ताओं ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए।

डॉ. एस के प्रधान, सत्र के अध्यक्ष ने वैज्ञानिकों को 2047 तक 40 मिलियन टन श्री अन्न उत्पादन का लक्ष्य रखने का सुझाव दिया तथा कहा कि इसके लिए दिशानिर्देश तैयार किए जाने चाहिए। संसाधनों के बेहतर उपयोग और दक्ष जीनप्ररूप विकास के लिए तीव्र प्रजनन, जीनोमिक्स, जीनोम संपादन आदि समय की मांग है। डॉ. ओ पी यादव, सह-अध्यक्ष ने कहा कि श्री अन्न अनुसंधान, मूल्य शृंखला विकसित करने एवं श्री अन्न के वैकल्पिक उपयोग का पता लगाने के लिए पर्याप्त मात्रा में धन आबंटन की आवश्यकता है। इन फसलों के बेहतर औचित्य बताने हेतु श्री अन्न द्वारा खाद्य व चारे के अलावा, प्रदान की जाने वाली पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं पर प्रकाश डालने की आवश्यकता है। डॉ. पी रघु रामी रेड्डी, सह-अध्यक्ष ने इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि एक समय उपेक्षित रह गई फसल, श्री अन्न को अब उनके जलवायु लचीलेपन तथा स्वास्थ्य लाभों के कारण अत्यधिक प्रोत्साहन दिया जा रहा है। श्री अन्न को अधिक दृश्यमान, प्रतिस्पर्धी और व्यवहार्य बनाने हेतु क्षेत्र को स्थिर और विस्तारित करने के लिए विभिन्न हितधारकों के साथ मिलकर एक व्यापक कार्य-नीति तैयार करने की आवश्यकता है।

दूसरे सत्र में, डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं और परियोजना समन्वयक - बाजरा, ज्वार व लघु श्री अन्न ने भारत में भावी श्री अन्न बदलाव के दिशानिर्देश के साथ "श्री अन्न में 2022-23 के दौरान समग्र प्रगति और उपलब्धियां" पर प्रस्तुती दी। इसके बाद बाजरा, ज्वार व लघु श्री अन्न के परियोजना समन्वयकों के द्वारा विषयवार प्रस्तुतियाँ दी गईं।

किस्म पहचान समिति (किपस/वीआईसी) की बैठक

डॉ. तिलक राज शर्मा, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान), भाकृअनुप की अध्यक्षता तथा डॉ. एस के प्रधान, सहायक महानिदेशक (खाद्य एवं चारा फसल), भाकृअनुप की सह-अध्यक्षता में संकर रूप में किस्म पहचान समिति (वीआईसी) की बैठक आयोजित की गई, जिसमें 27 विषय-विशेषज्ञों व अन्य प्रतिनिधियों ने भाग लिया। किपस हेतु कुल 29 प्रस्ताव प्राप्त हुए। समिति ने विभिन्न क्षेत्रों/राज्यों के लिए बाजरा (7

संकर), ज्वार (6 संकर एवं 10 किस्म), लघु श्री अन्न (6 किस्म) के सभी प्रस्तावों की गंभीरता से जांच की तथा सिफारिशें कीं।

डॉ. एस के प्रधान ने समापन सत्र की अध्यक्षता की, डॉ. ओ पी यादव, अध्यक्ष पीएएमसी और निदेशक, भाकृअनुप-केशुक्षेअनुसं, जोधपुर सह-अध्यक्ष तथा डॉ. एम वेंकट रमणा, कुलसचिव, प्रोजतराकृविवि, तेलंगाना मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने किपस की कार्यवाही एवं गहन चिंतन सत्र के दौरान उभरी सिफारिशें प्रस्तुत कीं।

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले केंद्रों बाजरा (जामनगर, हिसार व औरंगाबाद), ज्वार (अकोला, धारवाड़ व हिसार) तथा लघु श्री अन्न (अथियांडाल, वाघई व विजयनगरम) को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। सेवानिवृत्त होने वाले आठ श्री अन्न कार्मिकों को सम्मानित किया गया तथा चौदह प्रकाशनों का विमोचन किया गया। प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण से प्राप्त लाभ जीबीपीयूएटी- पंतनगर, डॉ. पीडीकेवी-अकोला, इक्रिसेट, पटनचेरू तथा भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद में साझा किया गया।

परियोजना सलाहकार और निगरानी समिति (पीएएमसी) ने अपनी टिप्पणियाँ दी। पीएएमसी के अध्यक्ष डॉ. ओ पी यादव ने कहा कि कार्यक्रम बहुत अच्छी तरह से संरचित और योजनाबद्ध था तथा बाजरा, ज्वार, व लघु श्री अन्न के सभी समूहों को एक कार्यशाला में रखने के लिए परिषद की सराहना की और आशा कि की यह प्रयास भविष्य में भी जारी रहेगा। उन्होंने आगे सुझाव दिया कि अभासअनुप मॉडल छह दशकों से सफलतापूर्वक संचालित और प्रभावी ढंग से विकसित हुआ है। डॉ वेंकट रमणा ने सुझाव दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता से ग्रामीण श्री अन्न की खपत में वृद्धि होगी और स्व-उपभोग के लिए ज्यादा किसान उन्हें उगा सकते हैं जिससे श्री अन्न के क्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। डॉ. एस के प्रधान ने अपनी अध्यक्षीय टिप्पणी में, समृद्ध पोषण स्थिति के बावजूद श्री अन्न क्षेत्र में गिरावट तथा आजादी के अमृतकाल वर्ष 2047 में देश को पोषण सुरक्षा प्राप्त करने पर बल दिया। उन्होंने श्री अन्न की मांग के बदलते परिदृश्य में क्षेत्र, उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए सत्रों के दौरान उभरे विभिन्न सुझावों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिस गति से क्षेत्र घट रहा है लक्ष्य हासिल करना एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने यह भी बताया कि निर्यात कम है और 2047 तक 40 मिलियन टन उत्पादन का लक्ष्य प्राप्त करने एवं देश को विकसित राष्ट्र के रूप में देखने के लिए तीव्र प्रजनन कार्यक्रमों की योजना बनाने की आवश्यकता है। डॉ. एम एलंगोवन, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं और नोडल अधिकारी एजीएम2023 के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सत्र का समापन हुआ।

महानिदेशक, भाकृअनुप के साथ संवादात्मक बैठक

डॉ. हिमांशु पाठक, सचिव (कृअनुशि विभाग) और महानिदेशक (भाकृअनुप) ने 29 जुलाई 2023 को भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान का दौरा किया। भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के निदेशक डॉ. सी तारा सत्यवती ने औपचारिक रूप से उनका स्वागत किया तथा श्री अन्न उत्कृष्टता के प्रस्तावित वैश्विक केंद्र के आलोक में संस्थान के ईएफसी की समीक्षा तथा ग्लोबल हब में विश्व स्तरीय सुविधाओं पर एक प्रस्तुति दी। निदेशक, भाश्रीअनुसं ने चित्रमय व प्रतीकों के माध्यम से कल्पित भवन की योजना पर प्रस्तुती दी।

डॉ. हिमांशु पाठक ने अपने संबोधन में कहा कि निदेशक, भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के द्वारा प्रस्तावित योजना पूरी तरह से स्वीकार्य है तथा इस पर काम किया जाएगा। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि बुनियादी अनुसंधान व मूल्य वर्धन गतिविधियों के अलावा तीव्र प्रजनन, जीनोम संपादन एवं जीनप्रारूपण के क्षेत्रों पर भी ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है।

एमएसएसआरएफ के अध्यक्ष ने भाश्रीअनुसं का दौरा किया

डॉ. सौम्या स्वामीनाथन, अध्यक्ष, एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन (एमएसएसआरएफ), चेन्नई ने 13 जुलाई, 2023 को भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद का दौरा किया। दौरे का उद्देश्य संस्थान में श्री अन्न मूल्य श्रृंखला पर विकसित दक्षताओं और प्रौद्योगिकियों की जानकारी प्राप्त करना था। इस अवसर पर, भाश्रीअनुसं की निदेशक डॉ. सी. तारा सत्यवती ने उन्हें संस्थान में संचालित अनुसंधान गतिविधियों एवं अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न अनुसंधान वर्ष-2003 के संबंध में किए जा रहे कार्यक्रमों के बारे में जानकारी दी। डॉ. सौम्या ने श्री अन्न उत्कृष्टता केंद्र, प्राथमिक और माध्यमिक प्रसंस्करण सुविधाओं, न्यूट्रीहब तथा जीन संग्रह एवं श्री अन्न फसल क्षेत्रों जैसी विभिन्न सुविधाओं का दौरा किया। तत्पश्चात परस्पर सहयोग के क्षेत्रों पर डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक एवं डॉ. सौम्या, अध्यक्ष, एमएसएसआरएफ द्वारा भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं और एमएसएसआरएफ के बीच समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। डॉ. सौम्या ने संस्थान के वैज्ञानिकों के साथ भी बातचीत की तथा इस बात पर बल दिया कि कृषि, पोषण एवं स्वास्थ्य एक-दूसरे परस्पर घनिष्ट रूप से जुड़े हुए हैं और इन्हें समग्र रूप से निपटाया जाना चाहिए।

हवाई पत्तन पर विशेष मिलेट रेस्तरां का शुभारंभ

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान के न्यूट्रीहब में उष्मीत्र स्टार्ट-अप - मिलेट मार्वल्स, और जीएमआर हैदराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के सहयोग से राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई पत्तन, हैदराबाद में जुलाई, 2023 में श्री अन्न के विशेष फूड कोर्ट "मिलेट मार्वल्स रेस्तरां" का शुभारंभ किया। इस मिलेट मार्वल्स रेस्तरां का उद्घाटन श्री एस जी के किशोर, कार्यकारी निदेशक दक्षिण और मुख्य नवाचार अधिकारी, जीएमआर ग्रुप, डॉ. बी दयाकर राव, मु.का.अधि., न्यूट्रीहब - भाश्रीअनुसं, डॉ. संगीता रेड्डी, संयुक्त प्रबंध निदेशक, अपोलो अस्पताल; श्री प्रदीप पणिक्कर, अध्यक्ष और मु.का.अधि., जीएमआर हैदराबाद अंतर्राष्ट्रीय हवाई पत्तन (जीएचआईएएल); सुश्री ऋषिका रेड्डी, कार्यकारी निदेशक, मिलेट मार्वल्स तथा डॉ. भरत रेड्डी, संस्थापक और मु.का.अधि. की उपस्थिति में डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं-हैदराबाद के द्वारा किया गया। हवाई पत्तन के परिसर में आगमन लाउंज में यह आउटलेट श्री अन्न के ताज़ा तैयार स्वादिष्ट भोजन एवं गर्म और ठंडे पेय पदार्थ परोसता है। एक माह के भीतर आरजीआई हवाई पत्तन के घरेलू प्रस्थान लाउंज में एक और आउटलेट खोला जाएगा।

नवोद्यम उज्ज्वलन (स्टार्टअप इग्निशन) प्रशिक्षण कार्यक्रम

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में "नवोद्यम उज्ज्वलन" पर 14 तथा 28 जुलाई, 2023 को दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। संपूर्ण भारत से कुल 82 उद्यमियों ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया तथा श्री अन्न के प्रसंस्करण में विभिन्न व्यावसायिक अवसरों पर ज्ञानार्जन किया। प्रतिभागियों को प्राथमिक और माध्यमिक प्रसंस्करण केंद्रों का दौरा कराया गया तथा भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं में उपलब्ध मूल्य वर्धन प्रौद्योगिकियों पर जानकारी भी साझा की गई। डॉ. जे स्टेनली, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने इन्क्यूबेशन एवं प्रौद्योगिकी लाइसेंस के बारे में जानकारी प्रदान की तथा डॉ. बी दयाकर राव, प्रधान वैज्ञानिक एवं मु.का.अधि., न्यूट्रिहब की अध्यक्षता में प्रतिभागियों के साथ परस्पर वार्ता सत्र का आयोजन किया गया। उक्त दोनों प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समन्वय डॉ. वी रवि कुमार, तकनीकी अधिकारी के द्वारा किया गया।

ओडिशा के किसानों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने ओडिशा मिलेट मिशन परियोजना के अंतर्गत 4-6 जुलाई 2023 के दौरान ओडिशा राज्य के 50 किसानों के लिए प्रौद्योगिकी अपनाने हेतु क्षमता निर्माण (कैट) ज्ञानवर्धन दौरे सह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विभिन्न तकनीकी सत्रों में संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों, श्री अन्न में नवीन उत्पादन पहलुओं, श्री अन्न प्राथमिक प्रसंस्करण मशीनों, श्री अन्न में व्यापार के अवसरों, सरकार के साथ नेटवर्किंग, बाजार को बढ़ावा देने व निजी अभिकरणों के साथ साझेदारी एवं श्री अन्न संवर्धन में कि.उ.सं. की भूमिका के अवलोकन पर केंद्रित था। प्रतिभागियों ने भाश्रीअनुसं में प्रक्षेत्रों, न्यूट्रीहब में श्री अन्न प्रसंस्करण और मूल्य वर्धित प्रौद्योगिकी सुविधाओं का दौरा किया। प्रशिक्षार्थियों ने प्रोजतेराकृविवि के उष्मान केंद्र का भी दौरा किया। डॉ. संगप्पा, श्री के श्रीनिवास बाबू और डॉ. अमसिद्ध बी ने परियोजना कर्मचारियों की सहायता से इस कार्यक्रम का आयोजन किया।

भाकृअनुप स्थापना एवं प्रौद्योगिकी दिवस में भाश्रीअनुसं

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने भाकृअनुप के 95वें स्थापना और प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर सुब्रमण्यम ऑडिटोरियम, एनएएससी कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में आयोजित प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी और उद्योग इंटरफेस में श्री अन्न स्टाल का आयोजन किया। श्री नरेंद्र सिंह तोमर, माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री एवं श्री परशोत्तम रुपाला, माननीय केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री ने स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री, श्री कैलाश चौधरी और सुश्री शोभा करांदलाजे के अलावा परिषद के गणमान्य लोग भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद से डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक ने भाग लिया।

श्री अन्न स्टाल : प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी और उद्योग इंटरफ़ेस समारोह का प्रमुख आकर्षण था। प्रदर्शनी में भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान के द्वारा श्री अन्न उत्पादन, गुणता तथा किसान की आय बढ़ाने के लिए हितधारकों के लाभार्थ विकसित नवीन प्रौद्योगिकियां प्रदर्शित की गई। श्री अन्न के लिए पर्यावरण-अनुकूल कर्षण क्रियाओं तथा मूल्य वर्धित

प्रौद्योगिकियों ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया और प्रदर्शनी में उनका प्रभुत्व देखा गया। भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं की निदेशक डॉ. सी तारा सत्यवती ने भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं स्टॉल का दौरा करने वाले केंद्रीय मंत्रियों, विभिन्न विभागों के गणमान्य लोगों तथा भाकृअनुप के महानिदेशक के साथ चर्चा की, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं द्वारा विकसित विभिन्न प्रकार की प्रौद्योगिकियों और उत्पादों एवं व्यावसायीकरण की संभावनाओं के बारे में बताया। इस आयोजन में, 100 से अधिक उद्योग भागीदार, 500 से अधिक किसान एवं पड़ोसी राज्यों के 1000 से अधिक छात्र संस्थान के स्टॉल पर आए। डॉ. आर आर चापके, डॉ. डी एम बहादुरे, श्री प्रशांत भुसारी, श्री अमृत राज संतोष शामिल भाश्रीअनुसं का दल लोगों तक श्री अन्न से संबंधित जानकारी पहुंचाने में सफल रहा।

वाणिज्य भवन, नई दिल्ली में श्री अन्न स्टाल : भाश्रीअनुसं के न्यूट्रिहब दल के साथ वैज्ञानिक डॉ. ए श्रीनिवास ने 05 जुलाई, 2023 को वाणिज्य भवन, नई दिल्ली में आयोजित "श्री अन्न पर राष्ट्रीय सम्मेलन" में भाग लिया और श्री अन्न स्टॉल लगाया। खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के 500 से अधिक प्रतिभागियों, राज्य सरकार के प्रतिनिधियों ने भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं स्टॉल का दौरा किया।

सम्मान एवं पुरस्कार

डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं ने भारत के सहायक उच्चायोग, कैंडी श्रीलंका द्वारा कृषि विभाग, श्रीलंका के सहयोग से 28 जुलाई 2023 को आभासी रूप में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष समारोह में सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया तथा "भारत में श्री अन्न उत्पादन और उपयोग का महत्व" पर विशेष व्याख्यान दिया।

डॉ. ए वी उमाकांत, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने गोवा में 19 जुलाई 2023 को "भावी ईंधन एवं रसायनों हेतु स्थायी जैवभार फ़ीडस्टॉक जुटाव" विषय पर सत्र में पैनलिस्ट के रूप में जी20 ऊर्जा परिवर्तन मंत्रिस्तरीय के साथ 14वीं स्वच्छ ऊर्जा मंत्रिस्तरीय और 8वीं मिशन नवाचार बैठक में भाग लिया। उन्होंने भारत में 1जी और 2जी इथेनॉल के स्थायी उत्पादन के लिए मीठी ज्वार, उच्च जैवभार ज्वार और भूरी मध्यशीरा ज्वार जैसे वैकल्पिक फ़ीड स्टॉक के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इथेनॉल उत्पादन के लिए मीठी ज्वार के उपयोग पर भारतीय चीनी मिल संघ, अखिल भारतीय डिस्टिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्षों और अन्य चीनी उद्योगों के नेताओं के साथ चर्चा की।

डॉ. जिनु जेकब, वैज्ञानिक, भाश्रीअनुसं को राजगिरी कॉलेज ऑफ सोशल साइंसेज, कक्कानाड, कोच्चि में 5-7 जुलाई, 2023 के दौरान "श्री अन्न : प्रजनन, कार्यिकी, जीनोमिक्स, जैव प्रौद्योगिकी तथा पौष्टिक-औषधीय-2023" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'कैरेक्टराइजिंग फिंगर मिलेट-एम ग्रिसिया पैथोसिस्टम यूजिंग ट्रांसक्रिपटॉमिक्स' पर प्रस्तुति के लिए कार्यात्मक जीनोमिक्स श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति से सम्मानित किया गया।

व्याख्यान

डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने भाकृअनुप-डीएमएपीआर के द्वारा मेडी-हब टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर (टीबीआई) के सहयोग से 3-13 जुलाई, 2023 के दौरान औषधीय और सुगंधित पौधों पर आयोजित उद्यमिता अभिविन्यास कार्यक्रम-VII (ईओपीएमएपी-VII) में "आपूर्ति शृंखला आवश्यकता एवं श्री अन्न किउसं" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. अमसिद्ध बी, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने 4-6 जुलाई 2023 के दौरान ओडिशा राज्य के कैट प्रशिक्षार्थियों (अभिनव किसानों, मु.का.अधि, कि.उ.सं. के सदस्यों) को "श्री अन्न के अभिनव उत्पादन पहलू" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. के बी आर एस विशारदा, प्रधान वैज्ञानिक, भाश्रीअनुसं ने राजगिरी कॉलेज ऑफ सोशल साइंसेस, कक्कानाड, कोच्चि में 5 जुलाई, 2023 को "श्री अन्न : प्रजनन, कार्यिकी, जीनोमिक्स, जैव प्रौद्योगिकी और पौष्टिक औषधीय-2023" पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, निदेशक, भाश्रीअनुसं का प्रतिनिधित्व करते हुए उद्घाटन भाषण दिया। उन्होंने श्री अन्न अनुसंधान में भाश्रीअनुसं की भूमिका और श्री अन्न के लिए वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र में इसकी गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

डॉ. वी एम मलाती, वैज्ञानिक, भाश्रीअनुसं ने "श्री अन्न : प्रजनन, कार्यिकी, जीनोमिक्स, जैव प्रौद्योगिकी और पौष्टिक औषधीय-2023" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बेहतर प्रोटीन पाचन क्षमता के लिए सावां का माल्टन" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. के बी आर एस विशारदा और **डॉ. आर आर चापके,** प्रधान वैज्ञानिक, भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने 6 जुलाई 2023 को "भारत में फसल बीमा योजनाओं (पीएमएफबीवाई और आरडब्ल्यूबीसीआईएस) के पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक प्रभाव" पर मैनेज, हैदराबाद में आयोजित एक दिवसीय परामर्श कार्यशाला में भाग लिया। डॉ. आर आर चापके ने "श्री अन्न में जलवायु अनुकूल उत्पादन प्रौद्योगिकियां" पर प्रस्तुति दी।

डॉ. के बी आर एस विशारदा, प्रधान वैज्ञानिक ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मेडिकल हेरिटेज (NIIMH), हैदराबाद में आयुष मंत्रालय,

भारत सरकार के द्वारा 12 जुलाई, 2023 को आयोजित अंश्रीव-2023 समारोह में 'श्री अन्न के पौष्टिक और औषधीय गुण' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया, तथा **डॉ. वी एम मलाती,** वैज्ञानिक ने "श्री अन्न के लाभ और उनके पोषण महत्व" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. एम एलंगोवन, प्रधान वैज्ञानिक ने जैविक विज्ञान उत्कृष्टता केंद्र, पीएसजीआर कृष्णम्मल महिला कॉलेज, कोयंबतूर के द्वारा 24 जुलाई 2023 को "खेत से बाजार तक श्री अन्न की यात्रा : एक उद्यमशील परिप्रेक्ष्य" पर आयोजित आभासी सत्र में "हमारे नव-जीवन हेतु पुराने खाद्यान्न की क्रांति" पर अतिथि व्याख्यान दिया।

डॉ. एम एलंगोवन, प्रधान वैज्ञानिक ने तमिलनाडु सरकार के कृषि विभाग के द्वारा 28 जुलाई 2023 को "श्री अन्न - किसानों की आय बढ़ाने के लिए एक संभावित फसल" विषय पर आयोजित संगोष्ठी के दौरान "श्री अन्न आनुवंशिक संसाधन प्रबंधन" पर अतिथि व्याख्यान दिया।
डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक ने 28 जुलाई 2023 को एनआईआरडीपीआर, हैदराबाद में किउसं के माध्यम से श्री अन्न को बढ़ावा देने पर एक व्याख्यान दिया एवं सीएसआर संस्थाएं तथा गैर-सरकारी संगठन के द्वारा अभिसरण मोड में श्री अन्न को बढ़ावा देने की सुविधा पर विचार साझा किए।

डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक ने बागवानी विज्ञान विश्वविद्यालय, कर्नाटक और मैनेज, हैदराबाद के द्वारा 28 जुलाई 2023 को "उद्यमिता विकास के माध्यम से महिला सशक्तिकरण" पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्री अन्न उद्यमिता में महिलाओं की भूमिका पर व्याख्यान दिया।

आगंतुकों

गणमान्य आंगतुक

श्री कर्मा आर बोनपो, आईएएस, सचिव तथा **श्री टॉपडेन,** उप सचिव, सिक्किम उद्योग और वाणिज्य विभाग ने 05 जुलाई, 2023 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद का दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य खाद्य प्रसंस्करण शृंखलाओं की स्थापना, सिक्किम राज्य से निर्यात में सुधार के लिए विशेष रूप से श्री अन्न और उनके मूल्य वर्धित उत्पादों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करना था।
डॉ. राणा सिंह, निदेशक तथा श्री कुमोद कुमार, मुख्य प्रशासन अधिकारी, चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना ने श्री अन्न के पारस्परिक प्रचार के लिए समझौते ज्ञापन की संभावना में 7 जुलाई, 2023 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया।

श्री हर सहाय मीणा, आईएएस, प्रमुख सचिव, ग्रामीण विकास, तमिलनाडु सरकार ने 21 जुलाई 2023 को भाश्रीअनुसं का दौरा किया। भाश्रीअनुसं की निदेशक डॉ. सी तारा सत्यवती ने उनके साथ चर्चा की और भाश्रीअनुसं में चल रही अनुसंधान गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान की।

सुश्री मालविका ददलानी, संपादक, एनएएएस ने 21 जुलाई 2023 को भाश्रीअनुसं का दौरा किया और भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद की निदेशक डॉ. सी तारा सत्यवती से भेंट की।
डॉ. जे एस संधू, भूतपूर्व महानिदेशक (फसल विज्ञान), भाकृअनुप ने 28 जुलाई 2023 को भाश्रीअनुसं का दौरा किया। भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं की निदेशक डॉ. सी तारा सत्यवती ने उन्हें अभिनव विकास कार्यों एवं वर्तमान अनुसंधान गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

श्रीमती सुशीला चिंताला, सीजीएम, नाबार्ड तेलंगाना ने 24 जुलाई 2023 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। उन्हें भाश्रीअनुसं की अनुसंधान गतिविधियों, उपलब्ध मूल्य वर्धित प्रौद्योगिकियों तथा प्राथमिक और माध्यमिक प्रसंस्करण के लिए आवश्यक मशीनों के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने न्यूट्रिहब और सीओई का भी दौरा किया ।

प्रशिक्षार्थी अधिकारी

राष्ट्रीय पादप स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान (एनआईपीएचएम) के 17 प्रशिक्षार्थी अधिकारियों ने अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम के एक भाग के रूप में नवीनतम श्री अन्न उत्पादन प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए 18 जुलाई, 2023 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया।

जीन संग्रह का दौरा

जीन संग्रह में डॉ. एम एलंगोवन, प्रधान वैज्ञानिक के द्वारा निम्नलिखित दौरों का समन्वय किया गया :

तमिलनाडु के पुदुकोट्टई जिले के आत्मा के 20 प्रगतिशील किसान - 4 जुलाई 2023

श्री अन्न की सामूहिक वार्षिक बैठक में भाग लेने वाले वैज्ञानिक और शोधकर्ता - 11 जुलाई 2023

उद्यमिता विकास केंद्र (सीईडी), हैदराबाद में एग्री क्लिनिक और एग्री

बिजनेस सेंटर (एसी एंड एबीसी) प्रशिक्षण कार्यक्रम के 20 प्रशिक्षार्थी - 28 जुलाई 2023

तमिलनाडु के किसान

श्री के मुथु कुमारवेल, ब्लॉक टेक्नोलॉजी मैनेजर के नेतृत्व में तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले के कदलाडी ब्लॉक के 20 किसानों ने कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा) की अंतर-राज्य ज्ञानवर्धक यात्रा के रूप में 19 तथा 20 जुलाई 2023 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। उन्हें श्री अन्न की खेती, विभिन्न प्रौद्योगिकियों की उपलब्धता, श्री अन्न के मूल्य वर्धन एवं श्री अन्न प्रसंस्करण मशीनों के बारे में जानकारी दी गई। डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राभा) ने उक्त दौरे का समन्वय किया।

आत्मा द्वारा संचालित अंतर-राज्य किसान ज्ञानवर्धन यात्रा के रूप में निम्नलिखित किसानों ने विभिन्न श्री अन्न फसल उत्पादन एवं मूल्य वर्धित उत्पादों तथा प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए भाश्रीअनुसं का दौरा किया।

- तमिलनाडु के पुदुक्कोट्टई जिले से 16 किसान - 03 जुलाई, 2023
- तमिलनाडु से 22 किसान-10 जुलाई 2023
- तमिलनाडु से 20 किसान-11 जुलाई 2023
- तमिलनाडु से 60 किसान-11 जुलाई 2023
- तमिलनाडु के विभिन्न जिलों से 20 किसान-13 जुलाई, 2023
- तमिलनाडु के डिंडिग्ना जिले से 20 किसान-17 जुलाई, 2023
- तमिलनाडु से 15 किसान-18 जुलाई, 2023
- तमिलनाडु के तेनकम जिले से 20 किसान-18 जुलाई, 2023
- मैंगलोर, कर्नाटक से 36 किसान-18 जुलाई 2023
- ओडिशा के रायगड़ा जिले से 35 किसान-06 जुलाई, 2023

छात्र

निम्नलिखित छात्रों ने श्री अन्न क्षेत्र में व्यावसायिक अवसरों के बारे में जानकारी प्राप्त करने हेतु भाश्रीअनुसं का दौरा किया।

- मल्ला रेड्डी विश्वविद्यालय, तेलंगाना से कुल 89 छात्र - 21 जुलाई, 2023
- कृषि महाविद्यालय, धुले, महाराष्ट्र से लगभग 95 छात्र - 21 जुलाई 2023
- मल्ला रेड्डी विश्वविद्यालय, हैदराबाद से 75 बी.एससी. (कृषि) के छात्र - 25 जुलाई, 2023

रेडियो वार्ता

डॉ. वी एम मलाती, वैज्ञानिक, भाश्रीअनुसं ने 'वायलुम वीदुम' कार्यक्रम के हिस्से के रूप में श्री अन्न के पोषण संबंधी गुणों और स्वास्थ्य लाभ पर एक रेडियो वार्ता दी। इसका ऑल इंडिया रेडियो-मलयालम के माध्यम से 01 जुलाई, 2023 को प्रसारण किया गया।

किउसं समाचार

किउसं सहकारी समितियों हेतु राष्ट्रीय महा सम्मेलन - 2023 में भाश्रीअनुसं

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों से भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं द्वारा प्रवर्तित सहकारी किउसं के मु.का.अधिकारियों और अध्यक्ष ने राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी), नई दिल्ली के द्वारा 14 जुलाई 2023 को प्रगति मैदान में आयोजित एक दिवसीय "किउसं सहकारी समितियों हेतु राष्ट्रीय महा सम्मेलन-2023" में भाग लिया। माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने इस महा सम्मेलन का उद्घाटन किया और आने वाले वर्षों के लिए पैक्स द्वारा 1100 नए किउसं के गठन की कार्य योजना जारी की।

श्री अन्न किउसं को खरीफ बीज वितरण

कर्नाटक और तेलंगाना राज्यों में भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं द्वारा प्रवर्तित किउसं को 5 जुलाई 2023 को 3500 किग्रा खरीफ श्री अन्न बीज भेजे गए। किउसं परियोजनाओं के अंतर्गत बीज वितरित किए गए तथा डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक और प्रधान अन्वेषक, किउसं परियोजना, श्री के श्रीनिवास बाबू, वरिष्ठ वैज्ञानिक और सह-प्र.अ. किउसं परियोजना, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के द्वारा इसका समन्वय किया गया। श्री अन्न क्षेत्र को बढ़ाने के उद्देश्य से भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं बीज इकाई ने वितरण के लिए बीज की व्यवस्था की। डॉ. रफी, श्री कैलाश के, श्री अशोक, जसवंत ने लाभार्थियों तक श्री अन्न बीज पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. सूगण्ण, डॉ. अमसिद्ध तथा श्री रघुनाथ कुलकर्णी ने किसानों को खेती के पहलुओं पर तकनीकी मार्गदर्शन दिया।

एलएएम, गुंटूर, एएनजीआरएयू का निगरानी दौरा

श्री के श्रीनिवास बाबू, डॉ. संगप्पा ने भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के परियोजना कार्मिकों के साथ किउसं परियोजना दल ने 26 जुलाई 2023 को सामुदायिक विज्ञान, एलएएम, गुंटूर में एससीएसपी के अंतर्गत स्वीकृत श्री अन्न प्रसंस्करण इकाई की दक्षता की निगरानी की। सामुदायिक विज्ञान विभाग द्वारा अपनाई गई श्री अन्न प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी से श्री अन्न उत्पादकों और छात्रों को सहायता मिल रही है। ई-सरकारी बाजार (जेम), ओएनडीसी मंचों के माध्यम से मूल्यवर्धित उत्पादों के विपणन, कॉलेज परिसर में आउटलेट खोलने व वॉकथॉन के संबंध में चर्चा हेतु योजना बनाई गई।

आं.प्र. - किउसं की समीक्षा

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के किउसं नेस्ट ने 28 जुलाई 2023 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं द्वारा प्रवर्तित आंध्र प्रदेश किउसं के लिए ऑनलाइन समीक्षा बैठक आयोजित की, श्री के श्रीनिवास बाबू और डॉ. संगप्पा के द्वारा किउसं की प्रगति और विशेष उपलब्धि हेतु कार्य योजनाओं पर चर्चा की गई।

समझौते ज्ञापन

सं.प्रौ.प्र.ए., भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के माध्यम से जुलाई, 2023 के दौरान भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं में निम्नलिखित करार ज्ञापन/समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। भाश्रीअनुसं की ओर से भाश्रीअनुसं के निदेशक **डॉ. सी तारा स्त्यवती** ने समझौतों पर हस्ताक्षर किए। करार ज्ञापन/समझौते के विवरण निम्नानुसार है :

करार तिथि	दूसरा दल/लाइसेंसधारी	करार/समझौते का प्रयोजन	लाइसेंसधारी के प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता	साक्ष्य
12.07.2023	महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन	श्री अन्न के 8 मूल्य वर्धित उत्पादों हेतु लाइसेंस	श्री हेमन्त वासेकर, सीईओ	डॉ. जे स्टेनली
13.07.2023	एम एस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन, चेन्नई	सहयोगात्मक अनुसंधान एवं प्रसार	डॉ सौम्या स्वामीनाथन, अध्यक्ष	डॉ. बी दयाकर राव और श्री. के एस बाबू
20.07.2023	श्री पंढरीनाथ बीज उत्पादक प्राथमिक समिति, म.प्र	ज्वार संकर, सीएसएच 41 हेतु लाइसेंस	श्री गोपाल भोजने, निदेशक	डॉ. आर मधुसूदन और जे स्टेनली
26.07.2023	इंडो-यूएस एग्रीसीड्स लिमिटेड, गुजरात	ज्वार संकर, सीएसएच 41 हेतु लाइसेंस	सुश्री प्रियंका अजुदिया, निदेशक	डॉ. जे स्टेनली
27.07.2023	मिलेट यार्ड्स प्राइवेट लिमिटेड, म.प्र	श्री अन्न के 7 मूल्य वर्धित उत्पादों हेतु लाइसेंस	श्री निशांत देसाई, निदेशक	डॉ. दयाकर राव

मिलेट यार्ड्स प्राइवेट लिमिटेड, म.प्र

एम एस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन, चेन्नई

इंडो-यूएस एग्रीसीड्स लिमिटेड, गुजरात

आभासी बैठकों / प्रशिक्षणों / कार्यशालाओं / संगोष्ठियों में सहभागिता

क्र.सं.	अधिकारी का नाम	कार्यक्रम विवरण	प्रकार	आयोजक	तिथि
1	सी तारा सत्यवती	संयुक्त सचिव (फसल/तिलहन) की अध्यक्षता में "भारत-अफ्रीका अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न सम्मेलन पर चर्चा"	आभासी बैठक	कृ.कि.क.वि. नई दिल्ली	4 जुलाई, **2023**
2	सी तारा सत्यवती	भारतीय उच्चायोग, नैरोबी द्वारा नैरोबी में आयोजित "पूर्व-भूमिका कार्यक्रम" एवं "अफ्रीका व भारत में श्री अन्न को प्रोत्साहन" विषय पर पैनल चर्चा	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	इक्रिसेट, केन्या	
3	के बी आर एस विशारदा	"श्री अन्न : प्रजनन, कार्यिकी, जीनोमिक्स, जैव प्रौद्योगिकी तथा पौष्टिक-औषधीय-2023 (आईसीएम-बीपीजीबीएन-2023)" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	सम्मेलन	राजगिरी कॉलेज कोच्चि	5-7 जुलाई, **2023**
4	के बी आर एस विशारदा तथा आर आर चापके	"भारत में फसल बीमा योजनाओं (पीएमएफबीवाई और आरडब्ल्यूबीसीआईएस) के पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक प्रभाव" पर एक दिवसीय परामर्श कार्यशाला	कार्यशाला	मैनेज, हैदराबाद	06 जुलाई 2023
5	महेश कुमार तथा शेख रुकमान	नराकास-हैदराबाद-2 द्वारा अनुवाद पर हिंदी कार्यशाला	कार्यशाला	रामांअनुकें, हैदराबाद	07 जुलाई, 2023
6	सी तारा सत्यवती	सचिव (कृकिक) की अध्यक्षता में तिलहन, दलहन एवं श्री अन्न के बीज केंद्रों के पुनरुद्धार की नीतियों पर चर्चा करने के लिए कृकिक विभाग के द्वारा आयोजित ऑनलाइन बैठक	बैठक	हैदराबाद	19 जुलाई, 2023
7	ए वी उमाकांत	जी20 ऊर्जा परिवर्तन मंत्रिस्तरीय के साथ 14वीं स्वच्छ ऊर्जा मंत्रिस्तरीय तथा 8वीं मिशन नवोन्मेष बैठक	बैठक	होटल हयात गोवा	19 जुलाई 2023
8	के एन गणपति तथा के श्रीनिवास बाबू	ओडिशा श्री अन्न (मिलेट) मिशन के अंतर्गत कृषि और किसान सशक्तिकरण विभाग, ओडिशा के साथ बैठक	बैठक	हैदराबाद	19 जुलाई, 2023
9	सी तारा सत्यवती, के एन गणपति तथा के श्रीनिवास बाबू	श्री अन्न भू-प्रजाति लोकार्पण समिति की पहली बैठक	बैठक	हैदराबाद	21 जुलाई, 2023
10	जे स्टेनली	खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के सीईओ श्री विनीत कुमार और उनके दल के साथ आभासी बैठक	बैठक	हैदराबाद	27 जुलाई, 2023
11	सी तारा सत्यवती	केवीआई क्षेत्र में ग्रामोद्योग उत्कृष्टता केंद्र की सेवाओं के उपयोग के संबंध में ऑनलाइन बैठक	बैठक	हैदराबाद	27 जुलाई, 2023
12	सी तारा सत्यवती	मलावी हितधारक कार्यशाला पर ऑनलाइन बैठक; भारत-अफ्रीका अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न सम्मेलन हेतु पूर्व-सम्मेलन कार्यक्रम	कार्यशाला	हैदराबाद	27 जुलाई, 2023
13	सी तारा सत्यवती	कृषि विभाग, श्रीलंका के सहयोग से भारतीय सहा. उच्चायोग, कैंडी श्रीलंका के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष पर आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम	सम्मेलन	हैदराबाद	28 जुलाई, 2023
14	सी तारा सत्यवती	श्री अन्न पर उच्च स्तरीय कार्यशाला का ऑनलाइन समापन समारोह	कार्यशाला	भाकृअनुप-वीपीकेएएस, अल्मोडा	28 जुलाई, 2023
15	एम एलंगोवन	*आज़ादी का अमृत महोत्सव* के अंतर्गत "श्री अन्न प्रसंस्करण" पर राष्ट्रीय वेबिनार	वेबिनार	भाकृअनुप-सिफेट, लुधियाना	31 जुलाई, 2023

IIMR
भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान
ICAR-Indian Institute of Millets Research

nutrihub
Innovation | Technology | Business

INTERNATIONAL YEAR OF MILLETS 2023

संकलन एवं संपादन
डॉ. महेश कुमार, डॉ. के वी राघवेन्द्र राव,
डॉ. जिनू जेकब तथा डॉ. वी वेंकटेश भट
फोटो, अभिकल्पना तथा रूपरेखा
एच एस गावली
प्रकाशक एवं मुख्य संपादक
निदेशक,
भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

मुख्यालय - राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500053
दूरभाष : 040-24599300
फैक्स : 040-24599304 ई-मेल : mil-lets.icar@nic.in वेबसाइट : www.millets.res.in

रबी ज्वार केंद्र (भाश्रीअनुसं)
राष्ट्रीय राजमार्ग-9, बायपास, शेल्गी,
सोलापुर-413006 (महाराष्ट्र)
दूरभाष : 0217-2373456 फैक्स : 0217-2373456
ई-मेल : solapur@millets.res.in
वेबसाइट : www.millets.res.in

ज्वार गैर-मौसमी पौधशाला, वरंगल
प्रभारी अधिकारी,
भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, आरएआरएस
(पीजेटीएसएयू) मुलुगू रोड़. वरंगल